डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्रभक्ति त्याग और समर्पण का प्रतीक-सांसद श्री कुलस्ते

डॉ. मुखर्जी की प्रतिमा का हुआ अनावरण

* जिला कार्यालय परिसर में स्थापित की गई प्रतिमा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में सोमवार को भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्म जयंती मनाई गई। इस अवसर पर मंडला सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते के मुख्य आतिथ्य में डॉ. मुखर्जी की प्रतिमा का अनावरण किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। तत्पश्चात पार्टी कार्यालय में कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तैल्य चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंडला सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्र की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक अस्मिता के लिए समर्पित रहा। उन्होंने देशहित को सर्वोपरि रखते हुए अनेक ऐतिहासिक निर्णयों और आंदोलनों का नेतृत्व किया। उनका जीवन प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता डॉ. मुखर्जी के विचारों और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लेकर कार्य करें। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आव्हान किया कि केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के दौरान लंबे समय से समर्पण निधि में सहयोग देने वाले समर्पित कार्यकर्ताओं का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान भी किया गया। सम्मानित कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने कहा कि संगठन की मजबूती में प्रत्येक कार्यकर्ता का समर्पण और सहयोग अमूल्य है। समर्पण निधि के माध्यम से कार्यकर्ताओं ने जिस निष्ठा और विश्वास के साथ संगठन का साथ दिया है, वह अन्य कार्यकर्ताओं के लिए भी प्रेरणादायक है। पार्टी का प्रत्येक कार्यक्रम कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम और संगठन के प्रति उनकी निष्ठा का परिणाम है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से संगठन की विचारधारा को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने तथा सेवा, सुशासन और विकास के संकल्प को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। वहीं कार्यक्रम के दौरान जिला कोषाध्यक्ष अखिल सिहारे ने समर्पण निधि के बारे में जानकारी दी। इस दौरान मंचासीन अतिथि पूर्व विधायक देव सिंह सैयाम, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, जिला महामंत्री संतोष रजक, पंडित सिंह धुर्वे, नरेश चंद्रोल, प्रदेश उपाध्यक्ष अजजा मोर्चा नीरज मरकाम, प्रदेश अजजा मंत्री संदीप कुलस्ते, पूर्व जिला अध्यक्ष रतन ठाकुर, सिंघई प्रमोद जैन, बिजेन्द्र कोकडिया, श्रीराम सैयाम,डॉ विजय आनंद मरावी, संजय मिश्रा मंचासीन रहे वहीं इस दौरान भाजपा जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, महामंत्री, मोर्चा, प्रकोष्ठ के पदाधिकारी, जिला एवं जनपद पंचायत के सदस्य सहित जनप्रतिनिधिगण एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन नरेश चंद्रोल, राजेश जैन ने किया, तो वहीं आभार प्रदर्शन पूर्व विधायक पंडित सिंह धुर्वे ने किया।

रबी उपार्जन में शॉर्टेज प्रकरणों का 4 दिवस में निराकरण करें-कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में आयोजित रबी उपार्जन समीक्षा बैठक में कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के दौरान सामने आए शॉर्टेज प्रकरणों की समीक्षा की। बैठक में प्रभारी जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती रश्मि गौतम ने शॉर्टेज की स्थिति एवं शासन के निर्देशों की जानकारी प्रस्तुत की।

बैठक में बताया गया कि जिले के 23 उपार्जन केंद्रों में कुल 101.74 मीट्रिक टन गेहूं की शॉर्टेज पाई गई है। इनमें से 9 उपार्जन केंद्रों द्वारा शॉर्टेज की राशि जमा करा दी गई है। कलेक्टर ने शेष 12 उपार्जन केंद्रों को निर्देश दिए कि 4 दिवस के भीतर शॉर्टेज की राशि अनिवार्य रूप से जमा कराई जाए।

बैठक में यह भी बताया गया कि 2 उपार्जन केंद्रों में परिवहनकर्ता के कारण शॉर्टेज हुई है। इस पर कलेक्टर श्री धोटे ने संबंधित नान अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रकरणों का निराकरण कर 4 दिवस के भीतर राशि जमा कराना सुनिश्चित करें तथा आवश्यक नियमानुसार कार्रवाई भी की जाए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ऑटो वालों की मनमानी से परेशान लोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/नारायणगंज

बस स्टैंड में एवं आसपास की रोड में ऑटो बालों की मनमानी से आए दिन यहां जाम लगा रहता है बाजार के दोनों में तो इस कदर जाम लगा होता है कि लोगों को पैदल निकलना मुश्किल होता है ऑटो वाले बस स्टैंड में चाहे जहां अपने मनमर्जी से ऑटो खड़े कर देते हैं और उनके मना करने पर झगड़ा करने और गाली गलौज करने में तैयार रहते हैं बस स्टैंड से के चारों तरफ ऑटो वाले रोड को जाम कर लेते हैं और मनमानी सवारी ओवरलोड ऑटो करके चलाते हैं जिससे कभी भी कोई बड़ी घटना घट सकती है जुलाई के महीना में स्कूल चालू हो गए हैं ऑटो चालक मनमानी ढंग से छात्रों को बैठाकर ओवरलोड कर स्कूल पहुंचते हैं जिससे कभी भी कोई भी घटना घट सकती है बस स्टैंड के चारों तरफ ऑटो रिक्शा घूमते हैं उनकी मनमानी के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है कई बार तो ऑटो चालक बीच सड़क पर खड़े करके सवारी उतरते हैं जिससे जाम की स्थिति हो जाती है लोगों का कहना है कि ऑटो चालकों को एक स्थाई जगह दी जाने चाहिए एवं पुलिस विभाग द्वारा उन्हें ओवरलोड सवारी न बैठने के लिए कहा जाए जिससे जाम की स्थिति ना मान सके बस स्टैंड से शासकीय स्कूल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जनपद शिक्षा विभाग एवं स्कूल कॉलेज की छात्राएं एवं आम जनता जो पैदल चलना मुश्किल हो रहा है बस स्टैंड में ऑटो वाले की मनमानी के कारण इमरजेंसी वहां को परेशानी का सामना करना पड़ता है अत संबंधित अधिकारी से निवेदन है कि शीघ्र ही इन ऑटो वालों के मनमानी से रोक लगाई जाए ताकि यातायात व्यवस्था सुधर सके।

नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों को सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए

भुआबिछिया। स्थानीय नगर परिषद में कार्यरत सफाई कर्मचारियों को बरसात के मौसम में आवश्यक सुरक्षा सामग्री उपलब्ध नहीं कराए जाने की शिकायत सामने आई है। जानकारी के अनुसार कर्मचारी बिना रेनकोट, गमबूट, डीसीदस्ताने एवं अन्य सुरक्षा उपकरणों के बिना ही बारिश के बीच सफाई कार्य करने को विवश हैं। बरसात के मौसम में नालियों एवं सड़कों की सफाई के दौरान कर्मचारियों को पानी, कीचड़ और संक्रमण का खतरा बना रहता है। इसके बावजूद आवश्यक सुरक्षा सामग्री उपलब्ध नहीं होने से कर्मचारियों को कठिन परिस्थितियों में कार्य करना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नगर की स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने में सफाई कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना नगर परिषद की जिम्मेदारी है। नागरिकों ने मांग की है कि सफाई कर्मचारियों को तत्काल रेनकोट, गमबूट, दस्ताने, मास्क एवं अन्य आवश्यक सुरक्षा सामग्री उपलब्ध कराई जाए, ताकि वे सुरक्षित वातावरण में अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकें।

पेसा एक्ट समिति ने लगाया पंचायत पर आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/नारायणगंज

जनपद पंचायत नारायणगंज के अंतर्गत ग्राम पंचायत पड़रिया उर्फ नारायणगंज कि पेसा एक्ट समिति ने आरोप लगाया कि पंचायत द्वारा समितियां की अवहेलना होने के कारण बिना बैठक एवं समिति के आम सभा में खाना पूर्ति कर सारे नियम की अवहेलना करके प्रस्ताव ले लिया जाता है जिसकी सूचना समिति को नहीं दी जाती है ब्लॉक सामान्य अधिकारी द्वारा बैठक नहीं दी जाती जानकारी ग्राम सभा की बैठक में नोडल के अधिकारी की अनुपस्थिति में पैसा एकट समिति की अनुपस्थिति में ग्राम सभा में मनमानी ढंग से प्रस्ताव पास करके मनचाहे बिल लगाए जाते हैं पूर्व के कामों अनदेखी कर नए काम कराया जा रहे हैं पुराने कामों की अनदेखी की जा रही है जिससे ग्राम पंचायत में अनेकों समस्या आ रही हैं मूलभूत सुविधाओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है ग्राम पंचायत चल रहे निर्माण बिना निविदा बिना कोटेशन के मनमर्जी से अपने दुकान दरों से अनाप-शनाप रेट पर खरीदी कर बिल लगाए जा रहे हैं समिति ने आरोप लगाया है कि पंचायत पर चल रहे निर्माण कारों की जांच की जावे एवं पैसा एक्ट समिति के बिना प्रस्ताव लिए कोई काम ना किया जाए।

लोकार्पण | सुलभ और उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं का हुआ विस्तार।

अपने क्षेत्र में ही मिलेंगी बेहतर चिकित्सा सेवाएँ

* प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ककैया में कुलस्ते ने किया लोकार्पण।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

मंडला जिले के विकास और आमजनों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में रविवार को सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने जनपद पंचायत बिछिया के अंतर्गत नवनिर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ककैया का भव्य लोकार्पण किया गया। इस नवनिर्मित स्वास्थ्य केंद्र के प्रारंभ होने से क्षेत्र के स्थानीय नागरिकों को अब अपने ही क्षेत्र में सुलभ, त्वरित और उच्च स्तरीय स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाएँ प्राप्त हो सकेंगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद श्री कुलस्ते ने कहा कि राज्य सरकार और केंद्र सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए निरंतर संकल्पित है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ककैया का यह नया भवन स्थानीय ग्रामीणों के लिए वरदान साबित होगा, जिससे उन्हें इलाज के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय कुशराम, विधायक बिछिया नारायण सिंह पट्टा सहित स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में क्षेत्र के नागरिक उपस्थित रहे।

सेफ क्लिक -2.0 अभियानः स्कूली छात्र छात्राओं को साइबर सुरक्षा के प्रति डीएसपी डागुर सहित अन्य पुलिस अधिकारियों ने किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार संचालित सेफ क्लिक-2.0 अभियान के अंतर्गत पुलिस द्वारा लगातार क्षेत्र में साइबर अपराधों की रोकथाम एवं सुरक्षित डिजिटल व्यवहार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना के दिशा निर्देश तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया के मार्ग दर्शन में व्यापक जनजागरूकता अभियान संपूर्ण जिले में चलाया जा रहा है। इसी क्रम में बीते हुये दिवस गाडरवारा पुलिस द्वारा क्षेत्र अंतर्गत के एम पब्लिक स्कूल, क्रेयॉन इंटरनेशनल स्कूल, दक्ष इंटरनेशनल स्कूल एवं पीएम श्री स्कूल के लगभग 700 छात्र-छात्राओं के लिए शहर के जामडा रोड स्थित एक शादी भवन साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को इंटरनेट एवं सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, साइबर अपराधों की पहचान तथा उनसे बचाव के प्रभावी उपायों की जानकारी देकर सुरक्षित एवं जिम्मेदार डिजिटल नागरिक बनने के लिए प्रेरित करना था। इस मौके पर मुख्य रूप से कार्यक्रम मौजूद क्षेत्र के जागरूक उप पुलिस अधीक्षक ललित सिंह डागुर साइबर जागरूता जिला प्रभारी तथा एजेके उप पुलिस अधीक्षक उमेश तिवारी, नगर निरीक्षक अशोक सिंह चौहान, महिला एस आई वर्षा धाकड़, प्रधान आरक्षक राम गोपाल सिंह राजपूत, आरक्षक दिनेश पटैल सहित अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में अलग अलग स्कूलो से आये हुये विद्यार्थियों को डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन गेमिंग, सोशल मीडिया, फर्जी लिंक, UPI फ्रॉड एवं साइबर बुलिंग से बचाव के उपाय बताए गए। वही कार्यक्रम के दौरान उप पुलिस अधीक्षक दिलीप सिंह डागुर ने विद्यार्थियों को डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन गेमिंग फ्रॉड, साइबर बुलिंग, फिशिंग लिंक, फर्जी KYC अपडेट, सोशल मीडिया अकाउंट हैकिंग, UPI एवं ऑनलाइन बैंकिंग धोखाधड़ी सहित विभिन्न साइबर अपराधों के बारे में विस्तार से जानकारी देने के साथ साथ उन्हें बताया गया कि किसी भी अज्ञात लिंक पर क्लिक न करें तथा OTP, UPI PIN, CVV, पासवर्ड एवं अन्य गोपनीय जानकारी किसी भी व्यक्ति के साथ साझा न करें। बच्चों को डीएसपी डागुर द्वारा बडे ही सरल भाषा में समझाते हुये कहा कि अक्सर देखा जाता है कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा आपके फोटो चोरी करते हुये उनका गलत तरीके से नई फोटो बनाते हुये आप के ऊपर ब्लेकमेल करते हुये दबाव बनाने का प्रयास करता है। इस स्थिति में सच्चाई से अपने परिजनों को अवगत कराये और जरूरत पड़ने पर तुरंत पुलिस की मदद लेवे। पुलिस आपकी मदद के लिये सदा ही तत्पर रहती है। जब इस तरह की घटनाये सामने आती है तो अधिकांश लोग डर जाते है और साइबर अपराध को अंजाम देने वाले लोगों की बातो में आकर उनकी बाते मानते हुये अपना पैसा उनके खातों में डाल देते है। इसमे डरने की कोई बात नही है। इस तरह डीएसपी दिलीप सिंह डागुर द्वारा बच्चों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करते हुये उनसे अनेक प्रकार के सबाल पूछते हुये समाधान किया गया। इस तरह डीएसपी डागुर द्वारा जिस सरल भाषा में बच्चों को जागरूक किया गया उसकी लोगों में चर्चा करते हुये पुलिस के प्रति एक जुडाव की भावना पैदा होने से नही चूक पा रही है। वही दूसरी ओर सेफ क्लिक -2.0 अभियान के प्रभारी उप पुलिस अधीक्षक उमेश तिवारी द्वारा भी विद्यार्थियों को मजबूत पासवर्ड, टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन (2FA) तथा सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने के महत्व से भी अवगत कराया गया। इस दौरान उन्हें यह भी समझाया गया कि सोशल मीडिया का जिम्मेदारी पूर्वक उपयोग करें, किसी भी भ्रामक या अपुष्ट जानकारी को साझा न करें तथा ऑनलाइन माध्यमों का उपयोग करते समय सतर्क रहें। वही नगर निरीक्षक अशोक सिंह चौहान द्वारा मौजूद स्कूली बच्चों को बताया कि साइबर क्राईम आज के समय में एक बडा रूप धारण करते हुये देखा जा रहा है। इससे सुरक्षित रहना ही हमारी जागरूकता है। क्योंकि साइबर जैसे अपराधों को अंजाम देने में आरोपी तभी सफल हो पाते है जब हमारे द्वारा मोबाईल या फिर अन्य प्रकार की साइड व सोशल मीडिया का उपयोग करने के दौरान चूक कर दी जाती है। इस दौरान सभी मौजूद स्कूली छात्र छात्राओं को साइबर सुरक्षा शपथ दिलाकर विद्यार्थियों को स्वयं जागरूक रहने एवं अपने परिवार और मित्रों को भी जागरूक करने का संकल्प दिलाया गया कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा शपथ दिलाई गई, जिसमें उन्होंने स्वयं सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने तथा अपने परिवार, मित्रों एवं समाज के अन्य लोगों को भी साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के उपरांत स्कूली छात्र-छात्राओं ने साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 की मानव श्रृंखला बनाकर आमजन को साइबर सुरक्षा का संदेश दिया तथा साइबर ठगी की स्थिति में तत्काल 1930 पर कॉल कर शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान नगर के के 04 विद्यालयों के लगभग 700 छात्र-छात्राओं ने साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम में सहभागिता की गई। विद्यार्थियों को डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन गेमिंग, सोशल मीडिया, फर्जी लिंक, UPI फ्रॉड एवं साइबर बुलिंग से बचाव के उपाय बताए गए। तथा साइबर सुरक्षा शपथ दिलाकर विद्यार्थियों को स्वयं जागरूक रहने एवं अपने परिवार और मित्रों को भी जागरूक करने का संकल्प दिलाया गया तथा किसी भी साइबर ठगी की स्थिति में तत्काल 1930 साइबर हेल्पलाइन एवं राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी दी गई।

खबर संक्षेप

शांतिदूत तिरहा से लेकर शहनाई गार्डन मार्ग पर होने वाली शराब खोरी से आम लोग परेशान

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। आये दिन स्थानीय पुलिस थाने में आयोजित होने वाली बैठकों में पुलिस अधिकारियों द्वारा नगर में शांति व्यवस्था बनाने के लिए बड़ी बड़ी बाते तो की जाती है? मगर यदि उन्हें सच्चाई में देखा जावे तो सिर्फ वह बाते उसी बैठक तक ही सीमित होती हुई नजर आती है? इस बात की सच्चाई वर्तमान में नगर में दिखाई दे रही है। लोगों का कहना है कि शाम होते ही जिस तरह नगर के शांतिदूत तिरहा से लेकर शहनाई गार्डन के बीच खाली पड़े हुये मैदानों पर शराब खोरी करने वाले लोगों की महफिले जमते हुये देखी जा रहे है उसके चलते इस मार्ग से आम लोगों का निकलना मुश्किल होने से नही चूक रहा है..? क्योंकि जहां यह स्थानीय राज्य स्तरीय प्रमुख मार्ग होने के चलते 24 घंटे लोगों का आना जाना बना रहता है। वही दूसरी ओर यही से नगर की एमपीईबी कालोनी के लोगों का निकलना होता है। इस स्थिति में शराब खोरी करने वाले मुख्य मार्ग पर ही जमाड़ा लगाते हुये जिस तरह शराब पीने के बात उत्पात मचाते हुये देखे जाते है उसके चलते इस राज्य स्तरीय मार्ग पर शाम के समय सभ्य लोगों का विशेष तौर से महिला वर्ग का निकलना मुश्किल होने से नही चूक रहा है। कुछ इसी प्रकार से हाल स्थानीय खेल ग्राउंड व स्थानीय शासकीय चिकित्सालय के पास बनी नई बाउन्ड्री बाल के पास प्रतिदिन शाम होते ही शराबियों का जमावड़ा लग जाता है,जिसके कारण इन स्थानों से निकलने वाले लोगों को जहा परिशानियों का सामना करना पड़ता है। वही यदि इस मार्ग से कोई भूल बस महिलाओं का निकलना होता है तो इन शराबियों की छीटाकशी के चलते उसे अपमानित तक होना पड़ता है..? वही शराब खोरी करने वाले मनचनों की छीटाकशी का शिकार होकर महिलाओं को अपमान का कड़वा घूट पीना पडं रहा है।

मानसून के मेहरबान होने से खिले किसानों के चेहरे, मौसम हुआ खुशनुमा

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। कई दिनो से मानसून आने की वाट जोह रहे क्षेत्रवासियो को बीते हुये आगमन होने के बाद गाडरवारा सहित क्षेत्र में झमाझम बारिश ने यह राहत भरा अहसास कराया कि लगातार तरसाने के बाद मानसून ने दस्तक दे दी है। इस बारिश से किसानों के चेहरों पर मुस्कान तो देखने मिल ही रही है तो दूसरी ओर लोगों को गर्मी से राहत मिलने की भी उम्मीद जागी है। क्योंकि रविवार की शाम बादलो के मेहरबान होने से रिमझिम बरसात हुई जिससे माहौल में ठंडक घुलने के साथ शहरवासियो को उमस, गर्मी से निजात मिलते हुये देखा गया। इस तरह शुरूआती मानसूनी वर्षा के दौरान कई वार्डो, कालोनियों, सार्वजानिक स्थानो पर जल भराव के नजारे दिखायी पड़े तथा बच्चो,युवाओं ने बरसते पानी में घूमने का आनंद लिया। इस तरह शुरू हुये बारिश के सिलसिले से हालॉकि जनजीवन अस्तव्यस्त होने से इसलिये नही चूक पाया। वही दूसरी ओर देखा जावे तो, खरीफ फसलो की बोवनी करने वाले क्षेत्रीय किसानो के चेहरे जरूर खिल उठे तथा उन्होंने अपने कृषि कार्यो को गति देने शुरूआत कर दी गई है।

मण्डी एवं नगर पालिका काम्प्लेक्स दुकानदारों पर लाखों बकाया

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। स्थानीय जवाहर कृषि उपज मंडी द्वारा अपनी राजस्व आय बढ़ाने शापिंग काम्प्लेक्स दुकानों का निर्माण कराया गया था, जिसके चलते उपज मण्डी द्वारा लगभग 152 दुकाने बताई जाती है। इसी प्रकार से नगर पालिका द्वारा संजय गांधी मार्केट में 13 दुकाने, गांधी मार्केट में 11 दुकाने व इंदिरा शापिंग काम्प्लेक्स में 64 दुकाने तथा कामथ काम्प्लेक्स में 24 दुकाने तथा पं. दीनदयाल बस स्टैण्ड में 10 दुकाने, चीचली रोड पर स्थित काम्प्लेक्स में 10 दुकानों का निर्माण कराया गया था, जिसमें से इन शापिंग दुकानों में से 126 दुकाने नगर पालिका द्वारा किराये से दी गयी। मगर इस सब में मजेदार बात तो यह है।

निर्मल ग्रामो की बर्बादी, कमिशन की आड़ में आंखे बंद किये हुए अधिकारी?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। देश को विकास और समृद्धि की ओर अग्रसर करने के लिए चलाई जा रही योजनाओं के तहत गांव को साफ सुधरा और हरा भरा बनाने की कवायद में है और इसके लिए शासन प्रशासन निर्मल ग्राम बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है, इसके लिए समय समय पर गांव को चयानित कर वहां पर लाखो करोड़ो रूपये की राशि खर्च की जा रही है जिसमें गांव के प्रत्येक परिवारो के घरो में शौचालय बनाये गये है। वही दूसरी ओर गांव में पक्की नालियां सड़क और कुडादान व जल स्त्रोतो को साफ सुधरा बनाया जाना है और इसकी देख रेख के लिए जिला स्तर पर हर ब्लाक में अलग से कर्मचारी भी नियुक्त किये गये है जिन्हे वेतन के रूप में मोटी रकम और भ्रमण करने के लिए वाहन उपलब्ध कराये गये है। लेकिन ये अधिकारी कर्मचारी आफिसों में बैठे बैठे ही योजना का संचालन कर रहे है और इसका परिणाम यह देखने में आ रहा है कि गांव में बनायी गई सड़के एक चंद वर्षो में ही पूरी तरह उखड़ चुकी है, वही पूर्व के समय में गांवों में बनाये गये शौचालय की स्थिति भी इसी प्रकार से देखने मिल रही है कि वह कचरो एवं कूडादानो में तब्दील हो गये है तो हजारों रूपया की लागत से बनाये गये कचरा घर टूट गये है, जल स्त्रोतो के समीप हरी घासे एवं दलदल निर्मित हो गयी है, इसके बाबजूद शासन द्वारा इन निर्मल ग्रामो को पुरूस्कार द्वारा नवाजा गया है, जिसमें लाखो रूपये की इनाम राशि को भी सरपंच सचिवो ने डकार ली? यदि इन गांवों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो अनेक पंचायते तो इस प्रकार की जहां पर लोग आज भी शौच के लिए बाहर जाते हुए नजर आते है और दूसरी ओर सड़कों की गुणवत्ता को दरकिनार करते हुए कमीशन की आड़ में अधिकारियों द्वारा उन्हें पास कर दिया गया है जो चंद दिनों के बाद भी टूटना शुरू हो चुकी है।

डिजीटल इंडिया बनाने सपने को इस स्थिति में कहां तक मिल पायेगी सफलता, धान का कटोरा कहे जाने वाले सालीचौका क्षेत्र में आये दिन लेनदेन के लिए भटकते हैं लोग

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका। जिस प्रकार से सालीचौका क्षेत्र का विकास हो रहा है उसे देखते हुए क्षेत्र के लोग अनेक जरूरी सुविधाओं के आभाव में परेशान होते हुए देखे जा रहे है, क्षेत्रवासियों की परेशोनियों को हरिभूमि द्वारा लगातार उजागर किये जाने के बाद इस ओर क्षेत्र के नेताओं द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान न देना निश्चित ही चिंता जनक बात साबित होने से नही चूक रहे है..? वही दूसरी ओर यदि सालीचौका क्षेत्र की विकास गति पर गौर किया जावे तो जहां कृषि के क्षेत्र में सालीचौका को धान का कटोरा कहा जाता है। वही क्षेत्र में दो बड़ी बडी राईस मिलों के साथ साथ बड़ी बड़ी दो शुगर मिले भी संचालित हो रही है, वही व्यापक स्तर पर अनाज का व्यापार करने वाली व्यारियों के आलवा यहां पर उप पुलिस चौकी, शासकीय चिकित्सालय केन्द्र व बिजली आफिस तथा हायर सेकेण्डरी स्कूलों के आलवा देखा जावे तो सालीचौका क्षेत्र से आस पास के अनेक गांव जुडे हुये है जो सालीचौका की व्यवस्थाओं पर आधारित रहते है। मगर इसके बाद भी सालीचौका में किसी बड़ी बैंक की स्थापना न होना आम लोगों के लिए परेशानी का सबसे बड़ा कारण साबित होते हुए देखा जा रहा है, एक ओर जहां देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भारत देश को संपूर्ण विश्व में अलग दर्जा प्रदान करने की सोच रखते हुए डिजीटल बनाने की सोच रखते हुए संपूर्ण लेनदेन केश लेंस करने में लगे हुये है जिसके चलते लोगों के खाते बैकों में खुलबाने से हर लेने देन के कार्य को बैकों में माध्यम से कराना चाहते है। वही दूसरी ओर शासन की योजनाओं का लाभ देने के लिए भी हितग्राहियों के खातों में पैसा डालते हुए बैकों में माध्यम से उन तक पहुंचाया जा रहा है। मगर इसके बाद भी सालीचौका में मात्र एक बैक के भरोसे क्या डिजीटल इंडिया होने का सपना पूरा हो पायेगा यह सिर्फ सोचने वाली बात ही नही बल्कि चिंता जनक सच्चाई है..? इस प्रकार से देखा जावे तो यहां पर स्थित मात्र एक यूकौ बैक की ब्रांच होने के कारण लोगों का लेनदेन के लिए दिन भर भीड़ लगी हुई देखी जाती है। वही दूसरी ओर दूसरे गांवों से आने वाले लोग बैक के कार्यो के चलते दिन दिन भर बैक के सामने बैठे हुए दिखाई देते है, जिसमें इस समय केन्द्र सरकार द्वारा संचालित किये जाने वाले प्रधानमंत्री आवास योजना से लेकर अन्य प्रकार की योजनाओं के तहत हितग्राहियों की राशि भी बैक के खातों में आने के कारण नगर की एक मात्र बैक ब्रांच में हितग्राहियों का अपनी राशि निकालने के लिए मेला लगते हुए दिखाई दे रहा है। कहने के लिए तो यहां पर एटीएम की स्थापना की गई है मगर एटीएम की सच्चाई इस प्रकार से बनी हुई देखी जा रही है कि आये दिन एटीएम के रूपयों की कमी या फिर अन्य गड़बड़ी के चलते एटीएम मात्र शोभा की सुपारी बनकर रह गया है? इस प्रकार अनेक समस्याओं से जूझ रहे सालीचौका क्षेत्र में आम लोगों की परेशानियों से निजात दिलाने के लिए न तो आज तक किसी बडे नेता द्वारा आवाज उठाई गई है और न ही उन छुटभेया नेताओं द्वारा उन परेशानी लोगों की समस्याओं पर ध्यान दिया जा रहा है जो आये दिन अपने आप को प्रभावशाली बताने के साथ समस्याओं से निजात दिलाने का भरोसा दिलाते हुए अपने कुर्ता की सफेदी का रौब दिखाने में कोई कसर नही छोड़ते है? जबकि सालीचौका क्षेत्र के विकास को ध्यान में रखते हुए सालीचौका में कम से कम चार पांच बैंकों की स्थापना महसूस किये जाने लगी है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो सालीचौका में स्थापित इस बैक की क्षमता को ध्यान में रखते हुए अनेक व्यापारियों द्वारा मजबूरी बस अपना लेनदेने भारतीय स्टैट बैक के माध्यम से करते हुए देखा जाता है। इस स्थिति में अनेकों बार देखा गया है कि जब लोग अपना नगदी जमा करने या फिर गाडरवारा से नगदी लेकर यहां आते है तो लूट जैसी घटना घटित हो चुकी है, जिसके चलते सालीचौका से बाहर की बैकों में लेनदेने किये जाने के कारण लोगों में दहशत देखने मिलती है? मगर इसके बाद भी क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों की चुप्पी के चलते क्षेत्र के विकास पर प्रश्न चिन्ह लगने से नही चूक रहा है? वही दूसरी ओर क्षेत्र के लोग परेशानियों से घिरे हुए देखे जा रहे है।

शुद्ध के लिये युद्ध मुहिम पड़ी ठंडी, ब्राण्डेड कंपनी के मिलते जुलते सामानो की आई बाढ़ आमजन की जिन्दगी को बन रहा खतरा?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। जिस प्रकार से सरकार द्वारा कुछ वर्ष पूर्व शुद्ध के लिये युद्ध की मुहिम चलाते हुये आम जनता के स्वास्थ्य के प्रति अपनी सजकता दिखाई गई थी। वह मात्र चार दिन की चांदनी फिर अधिकारी रात ही साबित होते हुये जान पड़ी? क्योंकि इस मुहिम के चलते निश्चित तौर से जहां संबंधित विभाग के अधिकारियों की चांदी होने से नही चूकी थी..? वही दूसरी ओर मिलावटी सामग्री की जांच मात्र एक औपचारिकता पूर्ण ही जान पड़ी थी और इस मुहिम के कुछ दिन चलने के बाद जिस प्रकार से ठंडे वस्ते में जाते हुये देखी जा रही है उसके चलते फिर बाजार में मिलावटी सामग्री का विक्रय सबाब पर दिखाई देने से नही चूक पा रहा है? बताया जाता है कि मार्केट में इन दिनों डिब्बा बंद खाद्य पदार्थो की मांग खासी बढ़ गई है। क्योंकि खुले समान में शुद्धता की गारंटी नहीं होने और स्वास्थ्य पर पड़नें वाले प्रभाव के चलते लोग पैक आईटम की ओर आकर्षित होने से नही चुक पा रहे है और

इसके चलते बाजार में नामी गिरामी कंपाानियों की विभिन्न वैरायटी के प्रोडक्ट आ रहे है जो बच्चों से लेकर बड़ो तक की पसंद बन गए है। मगर गौर किया जावे तो बाजार में कंपनियों से मिलते जुलते ब्रांडों की भी बाढ आई हुई है यह सेहत पर क्या असर डालेंगे। इस बारे में न तो दुकानदार जान रहा है और न ही खाद विभाग को इतनी फुर्सत है कि इनकी जांच करें? बस दुकानदार तो कमीशन अधिक होने के फेरे में इन्हे बेचने में रूचि दिखाते हुए दिखाई दे रहे है जिसके चलते आम लोगों की जिन्दगी पूर्ण रूप से खतरे में दिखाई देने लगी है? अक्सर देखा जाता है कि बिना आई एस आई मार्क के भी प्रोडक्ट मार्केट में खुलेआम बेचे जा रहे है जो हानि कारक बताये जाते है। इन प्रोडेक्टों की सच्चाई इस प्रकार से बनी हुई देखी जाती है जिनमें न तो निर्माण तिथि दिखाई देते है और न ही उनके समाप्त होने की तिथि का किसी भी प्रकार से कोई उल्लेख जान पड़ता है? मगर ग्राहकों की जागारूकता के अभाव के चलते एवं दुकानदार लालच के चक्कर में असली की सूरत में नकली कंपानियों के समान बेचते हुए आसानी से दिखाई देते हुए जान पड़ रहे है? एक्सपायरी डेट का उल्लेख नही- यदि इन समानों पर गौर किया जावे तो कई वस्तुओं पर तो इसके निर्माण की तिथि तक नहीं लिखी रहती और कई जगह एक्सपायरी डेट का समान बिकते हुए भी देखा जाता है? इन उत्पादों को शहर की गलियों सहित गांव गांव में बेचा जा रहा है, शहर सहित आसपास के कस्बों में लगने वाले साप्ताहिक बाजारों में लाखों का कारोबार होता है, वही अच्छी कंपानियों का कमीशन कम है और दुकानदारों की मांग के अनुरूप इसकी पूर्ति नहीं होती है, इस कारण बाजार में इन नामों से मिलते जुलते प्रोडक्ट की बाढ़ देखने मिल रही है? वही दूसरी ओर यदि प्रशासन की सक्रियता पर गौर किया जावे तो इनके द्वारा कभी कभार ही इस प्रकार की दुकानों का निरीक्षण किया जाता है वह भी मात्र औपचारिकता पूर्ण होने के चलते इस प्रकार से गुणवत्ताहीन सामन की बिक्री करने वालों के हौसले बुलंद दिखाई दे रहे है।

पंचायतों में भाई भतीजावाद के चलते सरकारी योजनाएं हो रही फेल प्रधानमंत्री आवास योजना से कई गांवों के गरीब नागरिक वंचित?

हरिभूमि न्यूज/ चीचली। इस समय देखा जा रहा है कि सरकार द्वारा गरीबों के हितों का ध्यान रखते हुए अनेक प्रकार की योजनाएं चला रही है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री आवास व केन्द्र सरकार प्रधान मंत्री आवास योजना तथ पूर्व से संचालित इंदिरा आवास योजनाएं शामिल है। मगर इन योजनाओं को चलते जनपद पंचायतों के द्वारा ग्राम पंचायतों के माध्यम से काफी समय से संचालित की जा रही है। परंतु इसके बाद भी आज इसके वास्तविक हकदार इन योजनाओं का लाभ पाने से वंचित नजर आ रहे हैं? यह योजना विगत काफी समय से संचालित की जा रही है। यदि इसका सही क्रियान्वयन होता तो लगभग हर ग्राम पंचायत में गरीबों को आवास मिल चुका होता, परंतु आँकड़ों की जादूगरी में यह योजना ऐंसी गुम हुई कि इसके वास्तविक हकदार आज भी परेशान हैं...। मगर दूसरी ओर गौर किया जावे तो इस योजना के आँकड़े हजारों के लाभान्वित हो जाने की जानकारी दे रहे हैं? ग्राम पंचायत स्तर पर ग्राम सभाओं के माध्यम से यह तय किया जाता है कि इंदिरा आवास योजना का लाभ इसे दिया जाता है। हालाकि विगत वर्षों में इसके लक्ष्य को हल कर दिया गया है। ग्राम सभायें कागजी होड़ की हैं तथा इन ग्राम सभाओं में आमजन की भागीदारी भव्य होती है हालाकि कागजी खानापूर्ति की जाती है..? आमजन की अनुपस्थिति के चलते सरपंच अपनी मर्जी के अनुसार नाम तय कर लेते हैं और उसे इस योजना का लाभ मिल जाता है और इसमें वह गरीब जो इसका असली हकदार होता है वह पिछड़ जाता है। यदि ग्रामीण क्षेत्रों का रूख किया जावे तो अनेक जगहों पर तो शिकायत तो यह भी है कि इस योजना में मिलने वाली सच्चाई को यूँ ही गुम कर दिया जाता है, कई बार पूरी राशि और कई बार पहली किस्त के बाद मिलने वाली राशि को गुम कर दिया जाता है। नतीजतन यदि इस योजना से कोई आवास बनाना भी चाहता है तो वह पहली किस्त में मिली राशि के उपयोग के बाद दूसरी किस्त के लिये भटकता ही रह जाता है। कुद इसी प्रकार की सच्चाई इंदिरा आवास योजना के क्रियान्वयन में आ रही इन परेशानियों से बड़े अधिकारी अपरिचित नहीं हैं परंतु उदासीन अवश्य हैं। अगर विगत कुछ वर्षों के आँकड़ों की जाँच ही करा ली जाये तो शर्मसार कर देने वाले परिणाम सामने आ सकते हैं, बहरहाल इस योजना का लाभ वास्तविक हकदारों को मिले इसके लिये प्रयास किये जाना चाहिये।

खबर संक्षेप

3.83 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ युवक गिरफ्तार, 78 हजार रुपये की खेप जब्त

अनूपपुर। मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने एक ड्रग तस्कर को ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 3.83 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 78 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी है कि मादक पदार्थ उसे कहां से मिला और इसका नेटवर्क किन-किन लोगों तक फैला हुआ है। पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब (आईपीएस) के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम एवं एसडीओपी नवीन तिवारी के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे अभियान के तहत रविवार रात थाना प्रभारी निरीक्षक अरविंद जैन के नेतृत्व में विशेष टीम ने कार्रवाई की। मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने पॉलीटेक्निक कॉलेज रोड क्षेत्र में घेराबंदी कर एक संदिग्ध युवक को पकड़ा। विधिवत तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 3.83 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई। पुलिस ने मादक पदार्थ जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान शिव तिवारी उर्फ शिवम (20 वर्ष), पिता शिवशंकर तिवारी, निवासी वार्ड क्रमांक-2, नई सब्जी मंडी, पटौराटोला, अनूपपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/21 के तहत प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस आरोपी से यह पता लगाने में जुटी है कि ब्राउन शुगर की खेप कहां से लाई गई थी, इसे किसे सप्लाई किया जाना था और इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोग कौन हैं। मामले के हर पहलू की गंभीरता से जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी शिव तिवारी के विरुद्ध पूर्व से भी विभिन्न आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। उसके आपराधिक रिकॉर्ड के आधार पर भी जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम के तहत समीक्षा बैठक 8 जुलाई को

कटनी। नीति आयोग भारत सरकार द्वारा संचालित आकांक्षी विकासखंड योजना में चयनित रीठी विकासखंड में विभिन्न संकेतकों की प्रगति के संबंध में समीक्षा बैठक जिला पंचायत के सभा कक्ष में बुधवार, 8 जुलाई को जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर की अध्यक्षता में 11 बजे से आयोजित की गई है। जिला पंचायत सीईओ सुश्री कौर ने विभिन्न विकास, स्वास्थ्य,किसान कल्याण तथा कृषि,भूमि संरक्षण, पशुपालन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, शिक्षा, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, स्वच्छ भारत मिशन एवं पशु चिकित्सा विभाग के जिला एवं जनपद स्तरीय अधिकारियों को संकेतकों को संपूर्ण करने हेतु निर्धारित एजेंडा के अनुसार विंडो 2.0 इनोवेटिव प्रोजेक्ट अंतर्गत अंतर्गत डीपीआर तैयार कर विभाग से संबंधित बिंदुवार अद्यतन प्रगति की जानकारी सहित निर्धारित समय एवं स्थान पर अधिकारियों को उपस्थित होने हेतु निर्देश दिए हैं। सुश्री कौर ने स्पष्ट किया है कि आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम की समीक्षा नीति आयोग भारत सरकार करती है इसलिए बैठक में समस्त अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य होगी।

स्थानांतरण आदेशों पर हाईकोर्ट की रोक, शिक्षकों को मिली बड़ी राहत

अनूपपुर। स्थानांतरण आदेशों को चुनौती देने वाले शिक्षकों को उच्च न्यायालय से बड़ी राहत मिली है। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय, जबलपुर ने सुनवाई के दौरान दो शिक्षकों के स्थानांतरण आदेशों पर अंतरिम रोक (स्टे) लगा दी है। जानकारी के अनुसार, अनूपपुर जिले के विद्या निकेतन हायर सेकेंडरी स्कूल, बदरा कालरी में पदस्थ माध्यमिक शिक्षक शिवनारायण शर्मा (गणित) का स्थानांतरण शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल, देवगवा कर दिया गया था। स्थानांतरण आदेश निरस्त कराने के लिए उन्होंने सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग, अनूपपुर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होने पर उन्होंने उच्च न्यायालय जबलपुर की शरण ली।

तेज बारिश में डूबा शहपुरा, नगर परिषद की मानसून तैयारियों की खुली पोल

सड़कें बनीं तालाब, दुकानों में घुसा पानी, बीच रास्ते बंद हुए वाहन

शहपुरा।

सोमवार को हुई मूसलाधार बारिश ने नगर परिषद शहपुरा की मानसून तैयारियों की हकीकत उजागर कर दी। महज कुछ घंटों की बारिश में शहर के कई हिस्से जलमग्न हो गए। प्रमुख मार्गों पर जलभराव के कारण सड़कें तालाब जैसी दिखाई देने लगीं, जबकि कई मोहल्लों में घुटनों तक पानी भर जाने से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। समय पर नालियों की सफाई नहीं होने और प्रभावी जल निकासी व्यवस्था के अभाव ने स्थिति को और गंभीर बना दिया।सबसे अधिक परेशानी शहपुरा-डिंडोरी मार्ग पर स्टेट बैंक के सामने देखने को मिली, जहां सड़क पर अत्यधिक जलभराव के कारण कई दोपहिया और चारपहिया वाहनों के साइलेंसर में पानी भर गया। परिणामस्वरूप अनेक वाहन बीच सड़क पर ही बंद हो गए और वाहन चालकों को उन्हें धक्का लगाकर सुरक्षित स्थान तक पहुंचाना पड़ा। इस दौरान काफी देर तक यातायात बाधित रहा।टॉकीज मोड़ स्थित पुलिया पर भी तेज बहाव के कारण हालात चिंताजनक बने रहे। पुलिया के ऊपर से पानी बहने के बावजूद लोग मजबूरीवश जान जोखिम में डालकर आवागमन करते रहे। जलस्तर बढ़ने से यह मार्ग लंबे समय तक प्रभावित रहा।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए शहपुरा थाना प्रभारी अनुराग जामदार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने जलभराव वाले क्षेत्रों में फंसे लोगों की सहायता की, यातायात को सुचारु बनाने का प्रयास किया तथा लोगों को पुलिया पार करने जैसे जोखिम भरे कदम नहीं उठाने और वैकल्पिक सुरक्षित मार्ग अपनाने की समझाइश दी।बारिश का असर उमरिया मार्ग और तहसील रोड पर भी स्पष्ट दिखाई दिया। जलभराव के कारण कई दुकानों में पानी घुस गया, जिससे व्यापारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन बाजार में अच्छी चहल-पहल की उम्मीद थी, लेकिन जलभराव ने कारोबार पर भी असर डाला। व्यापारियों ने नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए कहा कि यदि मानसून से पहले नालियों की समुचित सफाई और जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित की गई होती तो ऐसी स्थिति से बचा जा सकता था।

जलभराव की सूचना मिलते ही एसडीएम ऐश्वर्य वर्मा ने प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने नगर परिषद और संबंधित विभागों के अधिकारियों को तत्काल जल निकासी की व्यवस्था करने, नालियों की सफाई तेज करने तथा संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा उपाय मजबूत करने के निर्देश दिए। साथ ही लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की चेतावनी भी दी।लगातार हो रही बारिश के बीच नगर परिषद की व्यवस्थाएं एक बार फिर सवालों के घेरे में हैं। शहरवासियों का कहना है कि हर वर्ष मानसून के दौरान जलभराव की समस्या विकराल रूप ले लेती है, लेकिन इसके स्थायी समाधान के लिए अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई। नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि जल निकासी तंत्र को आधुनिक और प्रभावी बनाया जाए, ताकि भविष्य में शहर को ऐसी परिस्थितियों का सामना न करना पड़े।

समय-सीमा बैठक में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर, कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश

खाद-बीज की उपलब्धता, पौधरोपण, सीएम हेल्पलाइन और जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

डिंडौरी। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा बैठक में जिले में संचालित विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों की प्रगति का आकलन करते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों पर विशेष नाराजगी जताते हुए सभी विभागों के अधिकारियों को गंभीर प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण एवं समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निपटारे में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान किसानों के लिए खाद एवं बीज की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने, वितरण व्यवस्था पर नियमित निगरानी रखने तथा किसी भी प्रकार की कृत्रिम कमी नहीं होने देने के निर्देश दिए गए। मत्स्य विभाग को मुख्यमंत्री मत्स्य पालन योजना तथा स्मार्ट फिश पार्लर निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कर संचालन प्रारंभ कराने के लिए कहा गया।पशुपालन विभाग को कृत्रिम गर्भाधान, क्षीरधारा ग्राम अभियान, संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए व्यापक टीकाकरण अभियान चलाने तथा प्रत्येक ग्राम में गौ-सेवक और गौ-मित्र की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में प्रधानमंत्री उद्यम क्रांति योजना, स्वरोजगार योजनाओं, समग्र ई-केवाईसी, आधार एवं आयुष्मान कार्ड निर्माण की प्रगति की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने इन योजनाओं में अपेक्षित प्रगति लाने और पात्र हितग्राहियों तक समय पर लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए।पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए कलेक्टर ने नर्मदा परिक्रमा मार्ग, शासकीय कार्यालय परिसरों तथा सांदीपनी विद्यालयों में आगामी तीन माह के भीतर तीन लाख पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को पौधरोपण के साथ उनकी सुरक्षा और नियमित देखरेख सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

सक्षम आंगनवाड़ी केंद्रों एवं निर्माणाधीन शासकीय भवनों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समय पर पूर्ण करने तथा भवन पूर्ण होने के बाद ही उनके लोकार्पण की प्रक्रिया अपनाने के निर्देश दिए। जिला पंचायत के स्वच्छता प्रभारी को प्रधानमंत्री आवास, जनमन आवास सहित सभी आवासीय योजनाओं के हितग्राहियों के लिए शौचालय निर्माण सुनिश्चित कराने के निर्देश भी दिए गए।बैठक के दौरान कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले अस्पताल प्रबंधन एवं आशा कार्यकर्ता को सम्मानित किया। जानकारी के अनुसार एक गर्भवती महिला की स्थिति गंभीर होने पर आशा कार्यकर्ता ने तत्काल 108 एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध कराई। अस्पताल ले जाते समय प्रसव पीड़ा बढ़ने पर उन्होंने सूझबूझ और साहस का परिचय देते हुए एम्बुलेंस में ही सुरक्षित प्रसव कराया। बाद में जच्चा और नवजात को अस्पताल पहुंचाकर आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया गया। कलेक्टर ने इस मानवीय एवं सराहनीय कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में संवेदनशीलता, तत्परता और समर्पण ही बेहतर सेवा का आधार हैं।

बैठक के अंत में कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को नियमित रूप से ग्रामों में शिविर आयोजित कर आमजन की समस्याएं सुनने, उनका त्वरित समाधान करने तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक शत-प्रतिशत पहुंचाने के निर्देश दिए।बैठक में अपर कलेक्टर जे.पी. यादव, एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्य वर्मा, संयुक्त कलेक्टर भारती मेरावी, एसडीएम डिंडौरी रामबाबू देवांगन, एसडीएम बजाग अक्षय डिगरसे, डिप्टी कलेक्टर सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण, नशामुक्त जीवन और डिजिटल सुरक्षा के प्रति किया गया जागरूक

डिंडोरी। माय भारत (एमवाई भारत), युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में तथा जिला युवा अधिकारी भुवन सिंह सोलंकी के मार्गदर्शन में सोमवार को शासकीय सांदीपनी विद्यालय, अमरपुर में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर संगोष्ठी, नशामुक्ति एवं साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आकाश नामदेव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी का जीवन राष्ट्रभक्ति, कर्तव्यनिष्ठा और जनसेवा का प्रेरणास्रोत है। विद्यार्थियों से उन्होंने शिक्षा के साथ सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।जिला समन्वयक, नशा मुक्ति केंद्र, ऋतु सेन ने युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए नशामुक्त जीवनशैली अपनाने तथा समाज में जनजागरूकता फैलाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ और जागरूक युवा ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला हैं। कार्यक्रम में पुलिस विभाग के अधिकारियों ने साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करते हुए ऑनलाइन ठगी से बचाव, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, मजबूत पासवर्ड, ओटीपी और बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी साझा नहीं करने जैसी आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी। साथ ही डिजिटल सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने का आह्वान किया।कार्यक्रम में शासकीय सांदीपनी विद्यालय के प्राचार्य प्रदीप कुमार सुरेन, विद्यालय के शिक्षकगण तथा माय भारत की टीम के सदस्य उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आदर्शों को जीवन में अपनाने, नशामुक्त समाज के निर्माण में सहयोग देने तथा साइबर सुरक्षा के प्रति सदैव जागरूक रहने का संकल्प लिया।

कीचड़ और गड्ढों से होकर विद्यालय पहुंचने को मजबूर विद्यार्थी

वरिष्ठ बालक छात्रावास और अंग्रेजी माध्यम आश्रम तक पहुंच मार्ग नहीं, बारिश में छात्रों की बढ़ी परेशानी

अमरपुर।

जनपद शिक्षा केंद्र अमरपुर मुख्यालय में संचालित वरिष्ठ बालक छात्रावास एवं अंग्रेजी माध्यम बालक आश्रम तक आज भी समुचित पहुंच मार्ग का अभाव बना हुआ है। दोनों संस्थानों के भवन एवं बाउंड्री वॉल का निर्माण हो चुका है, लेकिन सड़क सुविधा नहीं होने से विशेषकर बारिश के मौसम में विद्यार्थियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थियों को प्रतिदिन विद्यालय आने-जाने के लिए कच्चे और जर्जर मार्ग से गुजरना पड़ता है। लगातार बारिश के कारण मार्ग पर कीचड़, गहरे गड्ढे और बड़े-बड़े पत्थर उभर आए हैं, जिससे पैदल चलना भी जोखिम भरा हो गया है। दोपहिया वाहन चालकों को भी आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि पूर्व में तत्कालीन सहायक आयुक्त संतोष शुक्ला से अमरपुर-सक्का मुख्य मार्ग से अंग्रेजी माध्यम आश्रम तथा अमरपुर-रामगढ़ मुख्य मार्ग से वरिष्ठ बालक छात्रावास तक पक्की सड़क निर्माण की मांग की गई थी। इसके बाद आश्रम और छात्रावास के बीच सीमित हिस्से में सीमेंट-कंक्रीट सड़क का निर्माण कराया गया, लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नहीं होने के कारण सड़क कुछ ही समय में क्षतिग्रस्त हो गई।ग्रामीणों का कहना है कि दोनों संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सुरक्षा और सुविधा को देखते हुए अमरपुर-सक्का एवं अमरपुर-रामगढ़ मुख्य मार्ग से सीधे छात्रावास और आश्रम तक पक्की सड़क का निर्माण कराया जाना आवश्यक है। उनका कहना है कि इससे विद्यार्थियों को वर्षभर सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सकेगी तथा बारिश के मौसम में होने वाली परेशानियों से भी राहत मिलेगी।

बंधुआ और बाल श्रम के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश

मुक्त कराए गए श्रमिकों के पुनर्वास और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने पर जोर

डिंडौरी। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में श्रम विभाग की जिला स्तरीय टास्कफोर्स समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 तथा बंधुआ श्रम प्रणाली (उन्मूलन) अधिनियम, 1976 के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिले में कहीं भी बंधुआ या बाल श्रमिक मिलने पर तत्काल कार्रवाई कर उन्हें मुक्त कराया जाए। आवश्यकता पड़ने पर पुलिस की सहायता लेकर अभियान चलाया जाए तथा मुक्त कराए गए श्रमिकों का समुचित पुनर्वास सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे श्रमिकों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराया जाए, ताकि वे सम्मानजनक जीवनयापन कर सकें।

बैठक में पुलिस अधीक्षक आशीष खरे ने कहा कि श्रमिकों के पुनर्वास में कार्यरत स्वयंसेवी संस्थाएं (एनजीओ) प्रत्येक श्रमिक का आधार कार्ड और संपर्क विवरण सुरक्षित रखें। इससे यदि श्रमिक रोजगार के लिए अन्य स्थानों पर जाते हैं तो उनसे नियमित संपर्क बनाए रखना संभव होगा और आवश्यकता पड़ने पर समय पर सहायता एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा सकेगा।बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को संयुक्त रूप से अभियान चलाकर बाल एवं बंधुआ श्रम की रोकथाम, श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा तथा पुनर्वास संबंधी कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने इस दौरान विभागीय गतिविधियों की समीक्षा के साथ आगामी कार्ययोजना भी प्रस्तुत की।बैठक में पुलिस अधीक्षक आशीष खरे, अपर कलेक्टर जे.पी. यादव, इंटरनेशनल जस्टिस मिशन भोपाल के संस्थापक मंहतेश मधाले, श्रम निरीक्षक नीरज तेकाम सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मेंटेनेंस के नाम पर करोड़ों का खर्च पहली ही बारिश में बिजली व्यवस्था बेपटरी!

अनूपपुर। मानसून की पहली दस्तक ने ही अनूपपुर जिले की बिजली व्यवस्था की तैयारियों की वास्तविक तस्वीर सामने ला दी है। शनिवार को हुई हल्की बारिश के बाद शहर सहित जिले के कई इलाकों में घंटों तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। बारिश थमने के काफी समय बाद भी कई मोहल्लों में अंधेरा पसरा रहा। उमस भरी गर्मी के बीच बिजली गुल होने से लोग घरों में बेहाल रहे, वहीं पेयजल व्यवस्था, व्यापारिक गतिविधियां, छोटे उद्योग, ऑनलाइन सेवाएं और विद्यार्थियों की पढ़ाई तक प्रभावित हुई। लगातार बिजली कटौती से नाराज लोगों ने बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए मेंटेनेंस व्यवस्था की निष्पक्ष जांच की मांग की है। बिजली विभाग हर वर्ष मानसून से पहले बड़े स्तर पर मेंटेनेंस अभियान चलाने का दावा करता है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार बिजली लाइनों की मरम्मत, पेड़ों की छंटाई, जर्जर तारों का परिवर्तन, ट्रांसफार्मरों की जांच और अन्य आवश्यक कार्य किए जाते हैं, ताकि बारिश के मौसम में निर्बाध बिजली आपूर्ति बनी रहे। लेकिन उपभोक्ताओं का कहना है कि पहली ही हल्की बारिश में यदि घंटों बिजली गुल हो जाए तो ऐसे मेंटेनेंस के दावों की विश्वसनीयता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। शहर के कई इलाकों में बिजली गुल होने के कारण इन्वर्टर भी जवाब दे गए। गर्मी और उमस के कारण छोटे बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ा। कई स्थानों पर पानी की मोटरें नहीं चल सकीं, जिससे पेयजल संकट की स्थिति भी बनी। दुकानों, प्रतिष्ठानों और छोटे व्यवसायों में काम प्रभावित हुआ। इंटरनेट आधारित कार्य करने वाले लोगों को भी घंटों तक परेशानी झेलनी पड़ी। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जिले में अब यह स्थिति आम होती जा रही है कि हल्की बारिश या तेज हवा चलने पर भी बिजली आपूर्ति बाधित हो जाती है। लोगों का आरोप है कि जर्जर लाइनों, पुराने उपकरणों और समय पर रखरखाव नहीं होने के कारण बार-बार फॉल्ट की समस्या सामने आती है।

उनका कहना है कि यदि समय रहते तकनीकी कमियों को दूर किया जाता तो मामूली बारिश में इतनी बड़ी समस्या उत्पन्न नहीं होती। कई उपभोक्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि शिकायत दर्ज कराने के बाद भी समय पर संतोषजनक जवाब नहीं मिला। कुछ लोगों का कहना है कि शिकायत केंद्रों पर केवल फॉल्ट सुधार का कार्य जारी है कहकर औपचारिक जवाब दिया गया, जबकि बिजली बहाली में घंटों का समय लग गया। इससे लोगों में विभाग के प्रति नाराजगी और बढ़ गई। जानकारों का मानना है कि मानसून के दौरान बिजली व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए प्री-मानसून मेंटेनेंस सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। यदि इस दौरान लाइनों की मरम्मत, इंसुलेटरों की जांच, ट्रांसफार्मरों का परीक्षण और पेड़ों की छंटाई प्रभावी ढंग से की जाए तो बारिश के मौसम में फॉल्ट की संभावना काफी कम हो जाती है। ऐसे में पहली ही बारिश में व्यापक बिजली बाधित होना विभाग की तैयारियों पर सवाल खड़े करता है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर भाजपा का संकल्प विकसित भारत के निर्माण में निभाएंगे सक्रिय भूमिका

डिण्डोरी। भारतीय जनता पार्टी जिला डिण्डोरी द्वारा भारतीय जनसंघ के संस्थापक, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक एवं महान शिक्षाविद डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती जिला भाजपा कार्यालय में श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर की गई। इस अवसर पर उपस्थित कार्यकर्ताओं ने उनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए राष्ट्रहित में कार्य करने का संकल्प लिया।कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष चमरू सिंह नेताम ने की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्र की एकता, अखंडता और भारतीय संस्कृति की रक्षा के लिए समर्पित रहा। उन्होंने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया और राष्ट्रीय एकता के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए डॉ. मुखर्जी के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। भाजपा कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि वे उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाते हुए सेवा, सुशासन और जनकल्याण की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएं।

पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष नरेन्द्र सिंह राजपूत ने अपने वक्तव्य में कहा कि डॉ. मुखर्जी ने भारतीय राजनीति को राष्ट्रवाद की नई दिशा प्रदान की। शिक्षा, लोकतंत्र और राष्ट्रीय एकता के प्रति उनकी सोच आज भी प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने कहा कि "एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे" का उनका संकल्प राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बन चुका है।जिला महामंत्री सुधीरदत्त तिवारी ने कार्यकर्ताओं से संगठन को और अधिक सशक्त बनाने, समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।कार्यक्रम का संचालन मंडल अध्यक्ष आशीष वैश्य ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन जिला कार्यालय मंत्री पवन शर्मा ने व्यक्त किया। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, मंडल अध्यक्ष, मोर्चा एवं प्रकोष्ठों के पदाधिकारी, शक्ति केंद्र एवं बूथ स्तर के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन भारत माता की जय और वंदे मातरम् के उद्घोष के साथ हुआ।

खबर संक्षेप

नर्मदा इको क्लब ने किया वृक्षारोपण

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत नर्मदा इको क्लब शासकीय विद्यालय इमझिरा के विद्यार्थियों द्वारा विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती सीमा मिश्रा एवं इको क्लब प्रभारी राकेश पटैल की उपस्थिति में छात्रों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए पौधे लगाएं हम सभी प्रकृति की रक्षा हेतु अधिक से अधिक पौधे लगाएँ और उनका संरक्षण करें।

नहीं रहीं पंडवानी गायिका तीजन बाई

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस पद्मभूषण विभूषित पंडवानी गायिका तीजन बाई का निधन हो जाने पर तेंदूखेड़ा से उनकी गायकी से जुड़े शुभचिंतकों ने श्रंद्धाजलि अर्पित की है।वर्ष 1998 में तेंदूखेड़ा में एक कार्यक्रम के दौरान यहां पर आगमन हुआ था। क्षेत्र के वरिष्ठ पत्रकार पं ओमप्रकाश पाठक ने उनके निधन को लेकर अपूर्णीय क्षति बताया है।

ग्वारी से बागेश्वर धाम तक पद यात्रा

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस समीपी ग्राम ग्वारी से बागेश्वर धाम तक श्रद्धालुओं का एक जत्था रवाना हुआ है।इस पदयात्रा में लगभग 15 महिला पुरुष एवं बच्चे भी शामिल हैं। अपने साथ एक ट्रेक्टर ट्राली भी है जिसमें पहनने ओड़ने बिछाने और खाने पीने की सामग्री भी साथ लेकर चल रहे हैं। भोर की किरण फूटते ही जत्था रवाना हो जाता है और शाम होते ही गांव देखकर विश्राम कर लेते हैं। लगभग 11 दिनों में यह जत्था बागेश्वर धाम पहुंच जायेगा।

मुकेश कटारे महासचिव नियुक्त

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं समाजसेवी मुकेश कटारे को जिला कांग्रेस में महासचिव नियुक्त किया गया है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता पटेल ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की अनुमति एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एन पी प्रजापति की सहमति से श्री कटारे को महासचिव नियुक्त किया है। विदित हो कि श्री कटारे पूर्व में भी अनेक पदों का दायित्व निभा चुके हैं। उनकी नियुक्ति से निश्चित तौर पर कांग्रेस को लाभ मिलेगा। वे जहां कांग्रेस से जुड़े हुए हैं वहीं समाज सेवा में भी सक्रिय रहते हैं।

जिले में अब तक 4.78 इंच वर्षा दर्ज

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। जिले में एक जून से 6 जुलाई तक की अवधि में औसत रूप से कुल 121.4 मिमी अर्थात 4.78 इंच वर्षा दर्ज की गयी है। 6 जुलाई की सुबह तक बीते 24 घंटे में जिले में औसतन 9.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। इस दिन तहसील नरसिंहपुर में 2 मिमी, गाडरवारा में 2, गोटेगांव में 5 मिमी, करेली में 3 मिमी और तेंदूखेड़ा में 35 मिमी वर्षा आंकी गई है।

किसानों की समस्याओं के निराकरण की मांग

राकिम महासंघ ने राष्ट्रपति व मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। गत दिवस राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के पदाधिकारी एवं किसानों द्वारा राष्ट्रपति एवं मुख्यमंत्री के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बताया गया है कि अमेरिका से आयातित कृषि उत्पादों से भारत के बाजार पूरी तरह प्रभावित होंगे इससे देश के किसानों को नुकसान होगा। देश में कृषि व्यवसाय पहले से ही घाटे का सौदा साबित हो रही है, ऐसे में यह भारत के किसानों के लिए घातक हो कर मौत का फरमान है। विदेश से आयातित दूध एवं दुग्ध उत्पादों मैं मांसाहारी गुणवत्ता का असर होगा, जो मानव मात्र सहित शिशुओं के स्वास्थ्य पर विपरीत असर डालेगा, एवं देश के सांस्कृतिक परिवेश के लिए हानिकारक, तथा सनातन धर्म को नष्ट करने वाला होगा।

शुगर मिल से कराया जाए भुगतान

सौंपे गए ज्ञापन में मांग की गई है कि महाकौशल बचई शुगर मिल से किसानों का ब्याज सहित शीघ्र पूर्ण गन्ने का भुगतान कराया जाए एवं मिल को ब्लैक लिस्टिड कर मिल पर कड़ी कार्यवाही की जाए हर वर्ष महाकौशल बचई शुगर मिल किसानों को भुगतान के लिए साल साल भर तक प्रताड़ति करती है। विधानसभा चुनाव के पहले किसानों से किए गए वादे अनुसार किसानों को 50 रुपए प्रति

कुंटल गन्ने पर बोनस दिया जाए। जिले में प्रदेश का 65 से अधिक गन्ना उत्पादन होता है नरसिंहपुर ओर गोटेगांव तहसील में मध्य सरकारी शुगर मिल स्थापित की जाए। कृषि उपज मंडी नरसिंहपुर का शीघ्र विस्तार किया जाए। मध्यप्रदेश में मंडी चुनाव शीघ्र कराए जाए। समर्थन मूल्य पर सभी फसलों की खरीद की गारंटी का कानून बनाया जाए एवं प्रदेश में स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट के आधार पर लागू किया जाए और किसानों को लागत के आधार पर लाभकारी मूल्य दिया जाए।

किसानें के नुकसान की हो भरपाई

ज्ञापन के अनुसार फसलों पर जो घोषित है उसे मंडी अधिनियम 1972, अनुसार धारा 36 व 37 का अधिकारी रूप से पालन किया जाए। जिले में जंगली सूअरों द्वारा बड़े स्तर पर किसानों की फसलों को हर सीजन में चैपट, नष्ट किया जा रहा हैं, जंगली सूअरों पर नियंत्रण कानून लाया जाए और किसानों की बर्बाद ओर नष्ट हो रही फसलों के नई नीति बनाकर राहत दी जाए। सी एम कृषि पंप योजना पुनः चालू की जाए। कृषि हेतु किसानों को 10 घंटे की जगह 6-6 घंटे की शिफ्ट में 12 घंटे विद्युत प्रदान की जाए। कृषि में उपयोग होने वाले सभी कृषि यंत्रों एवं कीटनाशक दवाइयां पर से किसानों को जीएसटी में पूरी छूट दी जाए। मध्य प्रदेश के सभी किसानों को ऋण मुक्त किया जाए। खेत सड़क योजना पुनः चालू की जाए एवं ग्राम पंचायतों को खेत- ग्राम के कच्चे गोहो - रास्तों में आस पास की नदियों से बजरी मिट्टी उठाने की परमिशन के साथ साथ ग्राम सड़क योजना के तहत पर्याप्त राशि दी जाए।

किसानों को दिया जाए नहरों का पानी

जिले में नहर मेंटेनेंश के लिए 2 साल से पर्याप्त राशि नहीं आई है जिससे किसानों को नहर से पानी का कोई विशेष लाभ नहीं हो रहा है और क्षतिग्रस्त नहरों के टूटने फूटने के कारण जलभराव से अनेकों किसानों की फसल खराब हो रही है। राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ मांग करता है कि किसानों की इन सभी जायज मांगों ओर समस्याओं का शीघ्र अति शीघ्र 1 सप्ताह के भीतर निराकरण करने की कृपा करें, अन्यथा राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ जिले के किसानों ओर अन्य किसान संगठनों सहित अन्य जिलों के किसानों ओर किसान संगठनों के साथ मिलकर एक सप्ताह बाद अपने खेत खलियानों से निकलकर नरसिंहपुर जिले सहित सम्पूर्ण प्रदेश के जिलों सहित ओर भोपाल तक में बड़े बड़े अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन, अनशन, ट्रैक्टर मार्च, घेराव, चक्का जाम आंदोलन करने विवश होगा जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी मध्यप्रदेश शासन की होगी। उक्त अवसर पर ऋषिराज पटेल, कमल लिह पटेल, बाबूलाल, ताराचन्द, गोपाल साहू सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

टीएल बैठक में कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने सोमवार को आयोजित समय-सीमा (टीएल) बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गजेंद्र नागेश सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर श्रीमती सिंह ने जिले में मूंग उपार्जन कार्य की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी उपार्जन केंद्रों पर सर्वेयर की अनिवार्य रूप से उपस्थिति सुनिश्चित की जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि उपार्जन केंद्रों पर यह विशेष ध्यान रखा जाए कि खरीदी की जाने वाली मूंग गीली न हो तथा पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराई जाए। विभिन्न योजनाओं के पात्र हितग्राहियों की ई-केवायसी, समग्र ई-केवायसी एवं योजनाओं के पंजीयन के लिए ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों में आयोजित किए जा रहे विशेष शिविरों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि संबंधित विभागों का अमला शिविर स्थल पर समय पर उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि शिविरों के आयोजन की जानकारी पूर्व से ही आमजन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाई जाए, ताकि अधिक से अधिक पात्र हितग्राही शिविरों का लाभ ले सकें और कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं से वंचित न रहे। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण किया जाए। कोई भी शिकायत अनअटेंडेड नहीं रहनी चाहिए। साथ ही सीएम मॉनिट एवं विभिन्न आयोगों से प्राप्त प्रकरणों का भी निर्धारित समय-सीमा में निराकरण कर तथ्यात्मक एवं गुणवत्तापूर्ण जवाब-दावा प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में स्वच्छता व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी नगरीय निकायों को निर्देश दिए कि प्रतिदिन लगने वाले हाट-बाजारों, सार्वजनिक स्थलों एवं प्रमुख मार्गों पर नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए, जिससे नागरिकों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध हो सके।

171 शासकीय विद्यालय बने जल संरक्षण के प्रेरणा केंद्र

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जल संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में नरसिंहपुर जिले के 171 शासकीय विद्यालयों ने अनुकरणीय पहल करते हुए अपने परिसरों में रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित किए हैं। मध्यप्रदेश शासन के जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किए गए इस कार्य ने शासकीय विद्यालयों को केवल शिक्षा का केंद्र ही नहीं, बल्कि जल संरक्षण की व्यवहारिक प्रयोगशाला और सामाजिक जागरूकता के प्रेरणा केंद्र के रूप में स्थापित किया है। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश के मार्गदर्शन में शिक्षा विभाग द्वारा जल संरक्षण को लेकर व्यापक अभियान संचालित किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा ने बताया कि जिले के 171 शासकीय विद्यालयों में स्थापित रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम वर्षा जल के वैज्ञानिक संरक्षण के साथ-साथ विद्यार्थियों में जल के प्रति संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का भाव विकसित कर रहे हैं। विद्यालयों में लगाए गए रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ जल संरक्षण का व्यवहारिक अनुभव भी प्रदान कर रहे हैं। छतों से एकत्रित वर्षा जल को संरक्षित कर भू-जल

पुनर्भरण किया जा रहा है, जिससे भविष्य में जल उपलब्धता बढ़ाने में मदद मिलेगी। वहीं इस जल का उपयोग विद्यालय परिसर की बागवानी, स्वच्छता एवं अन्य आवश्यक कार्यों में भी किया जा सकेगा। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय इमलिया-कमती एवं सांदीपनि विद्यालय, नरसिंहपुर सहित अनेक विद्यालयों में निबंध लेखन, पोस्टर निर्माण, जागरूकता रैली और संवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए। छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर जल संरक्षण का संदेश समाज तक पहुँचाया। विद्यालयों में अभिभावकों और स्थानीय नागरिकों की सक्रिय भागीदारी ने अभियान को और अधिक प्रभावी बनाया।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने माना हो रहा ध्वनि प्रदूषण

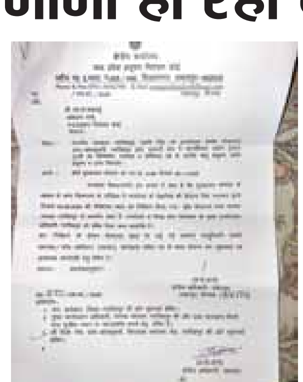

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड क्षेत्रीय कार्यालय जबलपुर द्वारा ग्राम बाँसकुवारी बाईपास रोड़ नरसिंहपुर के रीतेश नेमा की शिकायत पर किये गये स्थल निरीक्षण में नरसिंहपुर जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र राष्ट्रीय राजमार्ग 44 के निरीक्षण के दौरान ट्रेक्टर की ट्राली निर्माण में स्प्रे पेंटिंग और ध्वनि प्रदुषण से सम्बंधित मानकों में विसंगति पाये जाने का मामला प्रकाश में आया है। इस सम्बंध में विभाग द्वारा अपना पंचनामा जाँच प्रतिवेदन कलेक्टर नरसिंहपुर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत नरसिंहपुर को कार्रवाई किये जाने हेतु प्रेषित किया गया है। गौरतलब है कि ग्राम बाँसकुवारी जनपद पंचायत नरसिंहपुर के अंतर्गत छिंदवाड़ा बाईपास पर निवासरत रीतेश नेमा पिता स्व. गोविंद प्रसाद नेमा ने अपने आवासीय मकान से लगाकर स्थित क्षेत्र में किये जा रहे ट्रैक्टर ट्राली निर्माण से संबंधित एवं प्रदूषण एवं ध्वनि प्रदूषण को लेकर कलेक्टर नरसिंहपुर सहित एसडीएम नरसिंहपुर व मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग भोपाल, पुलिस महानिदेशक भोपाल के समक्ष शिकायत कर उक्त ट्रैक्टर ट्राली निर्माण से हो रहे प्रदूषण व ध्वनि प्रदूषण को लेकर उक्त ट्रैक्टर ट्राली निर्माण कार्य को अन्यत्र स्थापित किये जाने की मांग की गई थी। जिस पर उक्त कार्रवाई क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड कार्यालय जबलपुर द्वारा यह जांच कर कार्रवाई की गई है।

तीन सूत्रीय मांगों को लेकर किसानों ने विशाल रैली निकाल कर सौंपा ज्ञापन

तेंदूखेड़ा। सोमवार को राष्ट्रीय किसान मजदूर संघ के किसानों ने अपनी तीन सूत्रीय मांगों को लेकर कृषि उपज मंडी परिसर से लेकर नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए तहसील कार्यालय में पहुंच कर प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन तहसीलदार तेंदूखेड़ा को सौंपा है। सौंपें गये ज्ञापन में स्पष्ट किया है कि शासन द्वारा मात्र 25 प्रतिशत ही मूंग खरीदे जाने की घोषणा की गई है जो अनुचित है किसानों की पूरी 100 प्रतिशत मूंग खरीद की जाये।साथ ही टोकन सिस्टम प्रणाली से खाद को लेकर किसान परेशान बनें हुए हैं तत्काल प्रभाव से इस व्यवस्था में सुधार किया जाये व्यवस्था पूर्ववत करते हुए खाद्य की पर्याप्त व्यवस्था की जाये तथा बरसात को देखते हुए मूंग उपज छोटे कांटों से तौल में काफी विलंब होगा इसलिए बड़े तौल धरमकांटों पर ही तुलाई कराई जाये यदि उनकी इन मांगों पर शीघ्र अमल नहीं हुआ तो किसान बड़ी संख्या में एकत्रित होकर एक विशाल आंदोलन करने मजबूर होंगे।

जनसंपर्क अधिकारी ने पदभार किया ग्रहण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मध्यप्रदेश जनसंपर्क विभाग के अधिकारी राहुल वासनिक ने सोमवार को सहायक संचालक, जिला जनसंपर्क कार्यालय नरसिंहपुर के पद पर पदभार ग्रहण किया। श्री वासनिक इससे पूर्व जिला जनसंपर्क कार्यालय मंडला में पदस्थ थे। विदित है कि श्री वासनिक नरसिंहपुर में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। पदभार ग्रहण करने के उपरांत श्री वासनिक ने कहा कि जनसंपर्क विभाग शासन और आमजन के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु है। विभाग की गरिमा के अनुरूप कार्य करते हुए शासन की जनहितैषी योजनाओं, उपलब्धियों एवं विकास कार्यों का समयबद्ध, तथ्यपरक और प्रभावी प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन एवं मीडिया के साथ समन्वय स्थापित कर जनसंपर्क गतिविधियों को और अधिक सशक्त एवं परिणाममुखी बनाया जाएगा।

आलू से भरा ट्रक पलटा चालक घायल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र करेली के लिंगा व बरमान के बीच आलू से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। उक्त हादसे मे चालक घायल हो गया जिसे उपचार हेतु स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया। वही ट्रक पलटने से आलू से भरे बोरे खेत मे बिखर गए। वही पुलिस द्वारा सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की गई।

अपार आईडी निर्माण तथा नामांकन कार्य में तेजी लाने निर्देश

तेंदूखेड़ा। शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों की अपार आईडी निर्माण यूडाइस प्लस पोर्टल में आवश्यक सुधार एवं नवीन नामांकन कार्य में तेजी लाने के लिए निर्देश जारी किए हैं। हमारे प्रतिनिधि को वीआरसी ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 10 जुलाई को विखं चांवरपाठा में जिला कलेक्टर की समीक्षा बैठक को देखते हुए सभी शासकीय एवं निजी विद्यालयों को बैठक से पूर्व सभी लंबित कार्य पूर्ण करने के लिए कहा गया है। विभाग के अनुसार नर्सरी से कक्षा12वीं तक प्रत्येक विद्यार्थी की अपार आईडी बनाना जरुरी है। इसके लिए विद्यार्थियों केआधार कार्ड विद्यालयअभिलेख एवं यूडाइस प्लस पोर्टल में दर्ज नाम जन्म तिथि एवं अन्य विवरणों का मिलान कर आवश्यक सुधार किए जा रहे हैं। जिन विद्यार्थियों के विवरणों में त्रुटियां हैं। उनका पहले सत्यापन एवं संशोधन कराया जाएगा। उसके बाद ही अपार आईडी जनरेट की जाएगी। गत वर्ष यूडाइस प्लस में छूटे विद्यार्थियों के नाम जोड़ने की प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी गई है। कक्षा1तक के विद्यार्थियों का नाम सीधे जोड़ा जा रहा है। जबकि कक्षा 2 से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए निर्धारित एस02 एवं एस03 प्रपत्रों के माध्यम से प्रस्ताव तैयार कर विकासखंड एवं जिला शिक्षा केंद्र में प्रस्तुत किए जाएंगे। सभी प्रकरण आवश्यक दस्ता वेजों के सत्यापन के बाद ही स्वीकृत होंगे।शिक्षा विभाग के अनुसार विकासखंड के शासकीय विद्यालयों में लगभग 1हजार तथा निजी विद्यालयों में लगभग 1200 विद्यार्थियों का नामांकन अभी शेष है। सभी विद्यालयों को निर्देश दिए गए हैं कि 10 जुलाई की समीक्षा बैठक से पहले नामांकन अपार आईडी निर्माण यूडाइस प्लस सुधार सहित सभी लंबित शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्य पूर्ण कर लें। ताकि किसी भी विद्यार्थी को भविष्य में प्रवेश अथवा अन्य शैक्षणिक प्रक्रियाओं में परेशानी का सामना न करना पड़े।

केवल कागजों तक सिमटे जलाशय

भू-माफियाओं और खेती की भेंट चढ़े गांव के पारंपरिक जल स्रोत*

तेंदूखेड़ा। एक तरफ जहां शासन जल संवर्धन और जल ही जीवन है पानी को सहेजने की दिशा में तरह तरह के अभियान चला रही है।वहीं दूसरी तरफ चांवरपाठा विकासखंड के अंतर्गत आने वाले ग्रामीण क्षेत्रों में जमीनी हकीकत बिल्कुल विपरीत बनीं हुई है। क्षेत्र के लगभग हर गांव में पारंपरिक जल संवर्धन के लिए बनाए गए तालाब आज अपना अस्तित्व खो चुके हैं। कहीं तालाबों की छाती पर बेखौफ होकर खेती की जा रही है तो कहीं भू माफियाओं और रसूखदारों ने इन पर पक्का कब्जा जमा लिया है। तो बच्चे खैल मैदान के रुप में उपयोग कर रहे हैं।हैरानी की बात तो यह है कि जिम्मेदार राजस्व विभाग के पास इस बात का पुख्ता और अपडेटेड रिकॉर्ड ही नहीं है कि तहसील के अंतर्गत कुल कितने तालाब दर्ज हैं और उनमें से कितनों पर अवैध कब्जा हो चुका है।

कागजों तक सीमित रह गई जल संवर्धन योजनाएं

क्षेत्र में लगातार गिरते भूजल स्तर के कारण हर साल गर्मियों में हाहाकार मचता है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि गांवों के इन पुराने तालाबों को अतिक्रमण मुक्त कराकर उनका जीर्णोद्धार किया जाए तो जल संवर्धन की एक बेहतरीन कार्ययोजना तैयार की जा सकती है। इससे न केवल मवेशियों के लिए पानी उपलब्ध होगा बल्कि कूपों और नलकूपों का जलस्तर भी सुधरेगा। लेकिन प्रशासनिक उदासीनता के कारण जल संवर्धन की योजनाएं सिर्फ बैठकों और कागजों तक सिमट कर रह गई हैं।

पहले पैमाइश हो फिर चले बुलडोजर

क्षेत्र के जागरूक नागरिकों और किसानों ने मांग की है कि राजस्व विभाग तत्काल प्रभाव से चांवरपाठा विकासखंड के अंतर्गत आने वाले सभी ग्राम पंचायतों में छोटे बड़े तालाबों पोखरों और जल संरचनाओं की सूची तैयार करे। उनकी शासकीय सीमाओं का सीमांकन किया जाए और जितने भी रसूखदारों ने इस पर खेती या निर्माण कार्य कर रखा है।उन्हें बेदखल कर तालाबों को मुक्त कराया जाए। तालाबों का हो सर्वे तहसील के सभी गांवों के राजस्व रिकॉर्ड खसरा नक्शा को खंगालकर तालाबों की वास्तविक संख्या और रकबा क्षेत्रफल उजागर किया जाए। खेती कर रहे या कब्जा जमाए बैठे लोगों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई हो। मुक्त कराए गए तालाबों की गहरीकरण योजना बनाकर उन्हें जल संवर्धन के मुख्य ढांचे से जोड़ा जाए। अब देखना यह है कि कुंभकर्णी नींद में सोया राजस्व अमला इस गंभीर मामले को संज्ञान में लेकर कब जागता है। या फिर इस बार भी ग्रामीण बूंद-बूंद पानी के लिए तरसने को मजबूर होंगे।